an>

Title: Regarding misuse of CBI.

श्री धर्मेन्द्र यादव (बदायूँ): अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से भारतीय लोकतंत्र की जो संस्थाएँ हैं, उन संस्थाओं की जो गिरावट हैं, उस पर चर्चा करना चाहता हूँ। 04 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Dharmendra Yadav, one minute please.

… (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Kharge, you please read her Statement and then speak as it will be better.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : हो गया। शून्य काल में लम्बा भाषण नहीं होता है।

श्री धर्मेन्द्र यादव।

…(व्यवधान)

श्री धर्मेन्द्र यादव : अध्यक्ष जी, 4 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय मायावती जी के बीच एक शिष्टाचार मुलाकात हुई।…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: This will not go on record.

…(Interruptions)… *

श्री धर्मेन्द्र यादव : उस मुलाकात के अगले दिन 5 तारीख को उत्तर प्रदेश के अंदर सीबीआई द्वारा एफआईआर की गई और उन एफआईआर को यूँ ही नहीं किया गया, वहाँ भारतीय जनता पार्टी के जो मंत्री हैं, उन मंत्रियों ने बयान देकर हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव पर आरोप लगाएं।…(व्यवधान) अध्यक्ष जी, जिस तरह

से सीबीआई की गिरावट हुई है, कोई मामूली घटना नहीं है। सपा, बसपा के अध्यक्ष मिलते हैं और भारतीय जनता पार्टी, सीबीआई जो तोता बन गई है, उस तोते के साथ गठबंधन करती है।...(व्यवधान) हम आपके माध्यम से कहना चाहते हैं कि सीबीआई वोट नहीं डालेगी।...(व्यवधान) वोट उत्तर प्रदेश और हिंदुस्तान की जनता डालेगी।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है।

श्रीमती रमा देवी।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : डॉ. ए सम्पत, श्री चौधरी मोहन जटुआ, श्रीमती सुप्रिया सुले और श्री जय प्रकाश नारायण यादव को श्री धर्मेन्द्र यादव द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।